CNews सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-94

पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

सादगी से बढ़कर कोई श्रृंगार नहीं होता और विनम्रता से बढ़कर कोई व्यवहार नहीं होता।

बिहार सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार, मंगलवार, 09 जुलाई 2024

प्रशांत किशोर ने तेजस्वी यादव और उनकी पार्टी RJD पर कसा तंज, कहा-

तेजस्वी यादव को बकवास करना और दूसरे पार्टियों पर आरोप-प्रत्यारोप करने के सिवा आता क्या है? बस भाजपा का नाम बोलकर वह लोगों को मूर्ख बनाते हैं

चन्दन कुमार चौबे 7 सिटी चीफ

पटना, जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने ऋछ्ठ पर हमला करते हुए कहा कि आज बिहार में एक दल के लोग हैं जो बालू माफिया का काम कर रहे हैं। पूरे राज्य को इन्होंने बालू के अवैध खनन का केंद्र बना दिया है। आज तेजस्वी यादव कहते हैं कि मुझे क्रिमिनल और क्राइम से लगाव नहीं है। मतलब तो यही हुआ न कि बाघ ये कहे कि उसे मांस से लगाव नहीं है। आज इस देश में ऋछ्ठ से ज्यादा क्रिमिनल और क्राइम करने वाले लोग किस पार्टी में है? आज इस देश में क्राइम और क्रिमिनल से इतने जुड़े लोग देश के किस पार्टी में है?हमसे अच्छा भोजपुरी बोलेंगे क्या? लेकिन तेजस्वी को न इंग्लिश आती है और ना ही ठीक से भोजपुरी बोलनी आती है। उन्होंने जीवन में कुछ पढ़ा नहीं है और किसी भी विषय का कोई ज्ञान नहीं

है। जब जनता तेजस्वी से रोजगार के बारे में पूछती है तो वो कहते हैं कि भाजपा को रोको और यह बोलकर वह लोगों को मुर्ख बनाते हैं। आप कहते हैं कि शराब माफिया और बालू माफिया बहुत ज्यादा हो गए हैं तो तेजस्वी कहते हैं कि जातीय जनगणना करवा रहे हैं। ये काम करते नहीं है बस नए नए मुद्दों पर अपनी बात रख कर बहानेबाजी करते रहते हैं।

सिर्फ बकवास करते हैं तेजस्वी यादव ~ प्रशांत किशोर

प्रशांत किशोर ने कहा कि तेजस्वी यादव ने जीवन में न कुछ पढ़ा न समझा, सिर्फ बकवास करेगा खड़ा होकर। किसी विषय का ज्ञान है नहीं, कभी जाति पर बोलना है कभी धर्म के नाम पर बोलना है। दूसरे पार्टियों पर बस आरोप-प्रत्यारोप करना है। बिहार में जितने भी आदमी हैं क्या अनपढ़ हैं? क्या मैं बिहार का नहीं हूं, मैंने सरकारी स्कूलों में पढ़ाई नहीं की है? क्या मैं अंग्रेजी नहीं बोलता हूं फ्रेंच नहीं बोलता हूं? नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव क्या मुझसे बढ़िया भोजपुरी बोलेंगे? तेजस्वी यादव को न भोजपुरी बोलना आता है न अंग्रेजी बोलना आता है।

राज्य की जनता के मुद्दों की हो रही अनदेखी ~ प्रशांत किशोर

प्रशांत किशोर ने तेजस्वी यादव पर राज्य की जनता के मुद्दों की अनदेखी करने की बात कहते हुए कहा कि बिहार की जनता पूछ रही है रोजगार नहीं है तो तेजस्वी यादव बोलते हैं कि बीजेपी को रोको। बिहार की जनता पूछती है कि बालू और शराब माफिया क्यों हैं तो वो जातीय जनगणना की बात करके बिहार के लोगों को बेवकूफ बनाते हैं।

BJP के राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा ने विपक्ष को दी सलाह

कहा-बयानबाजी के बदले करें पॉलिटिक्स फॉर परफॉर्मेंस

चन्दन कुमार चौबे 7 सिटी चीफ

भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान विपक्ष को नसीहत देते हुए कहा कि यह सरकार आज गिर जायेगी,कल उनकी बन जायेगी इस तरह की टिप्पणी के बदले अगर विपक्ष जनता के हितों को ध्यान रखकर पॉलिटिक्स फॉर परफॉर्मेंस की नीति के तहत काम करेंगी तो यह बिहार और बिहारवासियों के लिए अच्छा रहेगा।

उन्होंने कहा कि आज पुल गिरने पर जिस तरह की राजनीतिक बयानबाजी की जा रही है वह उचित नहीं है। सवाल यह नही है कि किसके कार्यकाल में पुल का टेंडर हुआ था या किसके कार्यकाल में पुल निर्माण हुआ था। सवाल यह जरूरी है कि पुल गिरने के लिए दोषी कौन है? विभाग के किन अफसरों के नेतृत्व में पुल का निर्माण हुआ।

जिस एजेंसी को पुल निर्माण का ठेका मिला था। पुल मेंटेंस की जिम्मेवारी किनकी थी। इन पहलुओं की समीक्षा होकर दुबारा इस तरह की घटना न हो इस विषय पर गंभीर होने की जरूरत है न कि राजनीति बयानबाजी करके। राजनीतिक बयानबाजी का ही यह परिणाम है कि हम सब बिहारवासी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हंसी मजाक के पात्र बन कर रह गए है

उन्होंने कहा कि देश की 140 करोड़ आबादी का 10 प्रतिशत आबादी बिहार की है अत~ बिना बिहार के विकास के भारत का विकास संभव नहीं है। इसलिए मुझे पूर्ण विश्वास है कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश के नेतृत्व में सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा के साथ मिलकर बिहार को आर्थिक रूप से मजबूत करने की दिशा में सर्वथा उचित कदम उठाएंगे।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में मधुबनी कोर्ट का फैसला

आरोपित को उम्र कैद की सजा

चन्दन कुमार चौबे सिटी चीफ

मधुबनी, मधुबनी पोस्को कोर्ट के विशेष न्यायाधीश एडीजे 6 गौरव आनंद ने नाबालिग से दुष्कर्म के बाद हत्या मामले के आरोपी को उम्र कैद की सजा सुनाई साथ ही 40 हजार रूपया जुर्माना भी लगाया। घटना मधुबनी के राजनगर थाना क्षेत्र का है।

बाबूबरही थाना क्षेत्र के बिक्रम शेर निवासी आरोपी जितेंद्र कुमार यादव पर नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म का बाद हत्या का आरोप था। राजनगर थाना क्षेत्र की 16 वर्षीय नाबालिग लड़की को 6 मई 2015 को फोन करके उसने घर से बुलाया और उसके साथ दुष्कर्म कर हत्या कर दी।

हत्या के बाद शव को ठिकाना लगाने के लिए ईंख के खेत में फेंक दिया था। 7 मई 2015 की सुबह गन्ने के खेत से नाबालिग बच्ची की लाश मिली। पुलिस ने जितेंद्र कुमार यादव को इस मामले में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। कोर्ट में दोष सिद्ध होने पर न्यायाधीश गौरव आनंद ने 346 ष्ठ और 302 में उम्र कैद की सजा सुनाई। मामले को लेकर सरकार की ओर से पोक्सो कोर्ट के स्पेशल लोक अभियोजक एमडी खुर्शीद आलम ने पक्ष रखा।

बीमा भारती के समर्थन में मुकेश सहनी ने मांगा वोट

कहा-रूपौली का उप चुनाव टेस्ट मैच जीतने के बाद फाइनल भी जीतेंगे

चन्दन कुमार चौबे 7 सिटी चीफ

पूर्णिया, बिहार के पूर्णिया जिले के रूपौली उप चुनाव में आज महागठबंधन समर्थित राजद प्रत्याशी बीमा भारती के समर्थन में आयोजित एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रमुख मुकेश सहनी ने कहा कि यह चुनाव टेस्ट मैच के समान है। टेस्ट मैच जीतने के बाद ही फाइनल मैच होगा जिसमें जीतकर तेजस्वी यादव के नेतृत्व में सरकार बनेगी। इस कारण इस चुनाव में जीत जरूरी है। सन ऑफ मल्लाह मुकेश सहनी ने जोर देकर कहा कि सामाजिक न्याय की लड़ाई के लिए यहां से बीमा भारती की जीत जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि हमलोग राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद जी विचारधारा पर चलने वाले लोग हैं। उनकी विचारधारा जमीन पर बैठे लोगों को कुर्सी पर बैठाने की रही है।

उन्होंने कहा कि जब नीतीश कुमार राजद नेता लालू प्रसाद के साथ थे

तब बिहार में जातीय गणना हुई, आरक्षण की सीमा बढ़ाई गई। लेकिन, अब क्या हुआ, आरक्षण की बढ़ी सीमा पर रोक लगा दी गई। हमलोग इसे अनुसूची 9 में शामिल करने की मांग करते रहे, लेकिन दिल्ली की सरकार आरक्षण नहीं चाहती। दिल्ली की सरकार नहीं चाहती की गरीबों का बेटा पढ़ लिखकर आगे बढ़े।

मुकेश सहनी ने निषाद आरक्षण की चर्चा करते हुए कहा कि वर्षों से बिहार , झारखंड, यूपी में निषाद आरक्षण की मांग कर रहे हैं, यह अधिकार हमे नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम अपने समाज के हक की लड़ाई लड़ रहे हैं, लेकिन ये लोग हमे समाप्त करना चाहते हैं। उन्होंने लोगों को भरोसा देते हुए कहा कि मैं आखिरी सांस तक अपने समाज की लड़ाई लड़ता रहूंगा।

उन्होंने नीतीश कुमार की सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि अब यह पहले वाली सरकार नहीं है। अब यह सरकार अपने दुश्मनों को फंसाकर जेल भेज रही है। पहले नीतीश विशेष राज्य का दर्जा की मांग करते थे, लेकिन अब वह भूल गए। दरअसल, इन्हें कुर्सी से प्यार है। उन्होंने मतदाताओं से राजद प्रत्याशी बीमा भारती को विजई बनाने की अपील की।

बता दें कि बिहार में रुपौली विधानसभा सीट पर 10 जुलाई को उपचुनाव होने वाला है। यहां महागठबंधन और एनडीए के बीच सीधी टक्कर है। एनडीए की ओर से जेडीयू ने कलाधर मंडल तो वही महागठबंधन की तरफ से आरजेडी ने प्रत्याशी के तौर पर बीमा भारती को चुनाव के मैदान में उतारा है। चुनाव प्रचार का आज अंतिम दिन था। सोमवार को रुपौली में चुनावी जनसभा को तेजस्वी यादव और मुकेश सहनी ने संबोधित किया और रुपौली की जनता को राजद प्रत्याशी बीमा भारती के पक्ष में मतदान करने की अपील की।

सुप्रीम कोर्ट ने माना लीक हुआ था पेपर ,कहाः परीक्षा रद्द करना आखिरी उपाय

चन्दन कुमार चौबे 7 सिटी चीफ

नई दिल्ली~ NEET-UG 2024 परीक्षा को रद्द करने समेत अन्य मांगों को लेकर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई. इस दौरान कोर्ट ने पूछा कि केंद्र और एनटीए ने गलत काम करने वाले छात्रों की पहचान करने के लिए क्या कार्रवाई की है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह एक स्वीकृत तथ्य है कि लीक हुआ है और लीक की प्रकृति कुछ ऐसी है, जिसे हम निर्धारित कर रहे हैं.

कोर्ट ने कहा कि आप केवल इसलिए पूरी परीक्षा रद्द नहीं कर सकते, क्योंकि 2 छात्र गड़बड़ी में शामिल थे. इसलिए, हमें लीक की प्रकृति के बारे में सावधान रहना चाहिए. मामले की सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि अदालत 23 लाख छात्रों के जीवन और करियर से निपट रही है, इसलिए यह पता लगाना महत्वपूर्ण है कि क्या प्रश्नपत्र का लीक होना इतना व्यापक था कि दोबारा परीक्षा का आदेश दिया जाए.

सरकार की कार्रवाई का ब्यौरा मांगा

सीजेआई ने जोर देकर कहा कि हमें उन गलत काम करने वालों और पेपर लीक से लाभ उठाने वालों नहीं बख्शा चाहिए. साथ ही उन्होंने सरकार द्वारा की गई कार्रवाई का ब्यौरा भी मांगा. सीजेआई ने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए क्या कर रही है कि भविष्य में पेपर लीक न हो. सीजेआई ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से पूछा कि पेपर लीक के लाभार्थियों की पहचान करने के लिए सरकार ने अब तक क्या किया है?

परीक्षा रद्द करना अंतिम उपाय

सीजेआई ने प्रश्नपत्रों के बारे में राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी और केंद्र सरकार से कई सवाल पूछे. कोर्ट ने पूछा प्रश्नपत्रों के सेट कब तैयार किए गए, इन लाखों पेपरों की छपाई कब हुई, उन्हें कब ले जाया गया, परीक्षा तिथि से पहले उन्हें कैसे कलेक्ट किया गया. अदालत ने यह बी स्पष्ट कर दिया है कि हृश्वश्वञ्ज-त्त परीक्षा को रद्द करना अंतिम उपाय होगा.

इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने हृञ्ज, केंद्र और ष्टक्क्ष्ठ को बुधवार 10 जुलाई को शाम 5 बजे हलफनामा दाखिल करने को कहा है. मामले की अगली सुनवाई 11 जुलाई को होगी.

बता दें कि परीक्षा में व्यापक स्तर पर धांधली के आरोप लगाए गए हैं. मामले में दायर याचिकाओं में 5 मई को हुई परीक्षा में अनियमितताओं और कदाचार का आरोप लगाते हुए नए सिरे से परीक्षा आयोजित करने के

लिए अदालत से निर्देश देने की मांग शामिल है. यह परीक्षा भारत भर में सरकारी और निजी दोनों संस्थानों में एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष और अन्य चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए एक राष्ट्रव्यापी परीक्षा है.

पेपर लीक और ग्रेस मार्क्स देने में गड़बड़ियों सहित धांधली के आरोपों ने पूरे भारत में मेडिकल की तैयारी करने वाले छात्रों के बीच आक्रोश को जन्म दिया है. अभूतपूर्व रूप से 67 छात्रों ने शुरू में पूर्ण 720 अंक प्राप्त किए, जिसमें हरियाणा के एक ही केंद्र से 6 टॉप स्कोरर होने से धांधली का संदेह था. परिणाम निर्धारित तिथि से 10 दिन पहले 4 जून को घोषित किए गए.

सरकार और राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी ने बड़े पैमाने पर गोपनीयता के उल्लंघन के सबूतों की कमी और हजारों ईमानदार उम्मीदवारों पर संभावित नकारात्मक प्रभाव का हवाला देते हुए परीक्षा को रद्द करने के खिलाफ तर्क दिया है. केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने अदालत को दिए अपने हलफनामे में कहा है कि गोपनीयता के किसी बड़े पैमाने पर उल्लंघन के सबूतों के आभाव में घोषित परिणामों को रद्द करना तर्कसंगत नहीं होगा.

11 जून को इसी तरह की एक याचिका पर विचार करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि परीक्षाओं की पवित्रता प्रभावित हुई है और हमें जवाब चाहिए. न्यायमूर्ति अमानुल्लाह ने एनटीए के वकील से कहा, पवित्रता प्रभावित हुई है, इसलिए हमें जवाब चाहिए. याचिकाओं में परीक्षा को रद्द करने, दोबारा परीक्षा कराने और परीक्षा को लेकर उठाए गए मुद्दों की अदालत की निगरानी में जांच की मांग की गई है. यह परीक्षा 571 शहरों में 4,750 केंद्रों पर 23 लाख से अधिक उम्मीदवारों ने दी थी. इस बीच, सीबीआई ने विभिन्न रायों में दर्ज आरोपों और मामलों की जांच शुरू कर दी है. सरकार ने एनटीए द्वारा पारदर्शी, सुचारू और निष्पक्ष परीक्षा सुनिश्चित करने के उपायों का प्रस्ताव देने के लिए एक उच स्तरीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया है. एजेंसी के अध्यक्ष को भी बदल दिया गया है.